an>

Title: Need to provide financial assistance for revival of Hindustan Antibiotics Limited.

श्री श्रीरंग आप्पा बारणे (मावल): अध्यक्ष महोदया, मेरे चुनाव क्षेत्र में भारत सरकार की हिन्दुस्तान एंटिबॉयटिक्स कम्पनी है जो आज आर्थिक समस्या से जूझ रही है। इस कम्पनी के निर्माण के पीछे एक महत्वपूर्ण कारण है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की धर्म पत्नी श्रीमती कस्तूरबा गांधी को बीमारी में जरूरी एंटिबॉयटिक्स नहीं मिलने के कारण देश के पहले प्रधान मंत्री श्री जवाहर लाल नेहरू ने 10 मार्च, 1954 को इस कम्पनी का निर्माण पुणे के करीब पिम्परी शहर में किया था। 1973 से 1974 तक यह कम्पनी अच्छा काम कर रही थी। 1997 से आज तक यह कम्पनी बीमार चल रही है जबकि भारत सरकार की कम्पनी होने के नाते इस कम्पनी के कर्मचारियों को तकरीबन 14 महीने और अधिकारियों को 16 महीने तक पगार नहीं मिली। समय-समय पर तनख्वाह न मिलने के कारण कर्मचारी प्रदर्शन, आन्दोलन करते हैं।

हिन्दुस्तान एंटिबॉयटिक्स लिमिटेड कम्पनी की आर्थिक समस्या को देखते हुए केमिकल फर्टिलाइजर मंत्रालय ने 850 करोड़ रुपये का रिवाइवल पैकेज बनाकर वित्त मंत्रालय को भेजा है। आज प्रश्न-उत्तर काल में माननीय मंत्री श्री हंसराज अहीर ने भी इस बारे में पूरी जानकारी दी। मैं आपके माध्यम से माननीय वित्त मंत्री जी से आग्रह करना चाहता हूं कि हिन्दुस्तान एंटिबॉयटिक्स लिमिटेड कम्पनी के 850 करोड़ रुपये के रिवाइवल पैकेज को जल्दी से जल्दी मंजूरी प्रदान करें जिससे कम्पनी पुन: चालू हो सके और कम्पनी के कर्मचारियों को कई दिनें से जो पगार नहीं मिली, वह वक्त से मिले।

माननीय अध्यक्ष :

श्री अरविंद सावंत,

श्री राहुल शेवाले और

श्री कृपाल बालाजी तुमाने को श्री श्रीरंग आप्पा बारणे द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।